पंजाब केसरी 07/04/2026

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में लैंगिक संवेदनशीलता एवं मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला आयोजित

विद्यार्थियों के समग्र विकास में मानसिक स्वास्थ्य और लैंगिक संवेदनशीलता की भूमिका अहम : डॉ. रोहित दत्त

अम्बाला, 6 अप्रैल (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के महिला प्रकोष्ठ द्वारा नैशनल टास्क फोर्स, मानसिक स्वास्थ्य क्लब एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र के सहयोग से सोमवार को 'उच्च शिक्षण संस्थानों में लैंगिक संवेदनशीलता एवं मानसिक स्वास्थ्य पहल' विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में लैंगिक समानता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझाना था।

अपने संदेश में कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास में मानसिक स्वास्थ्य और लैंगिक संवेदनशीलता की भूमिका अहम है। ऐसे कार्यक्रम न केवल विद्यार्थियों को जागरूक बनाते हैं, बल्कि उन्हें समाज में जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ योगदान देने के लिए प्रेरित भी करते हैं।

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में लैंगिक संवेदनशीलता एवं मानसिक स्वास्थ्य पर आयोजित कार्यशाला में भाग लेते विशेषज्ञ एवं विद्यार्थी। (चंद्रमोहन)

कार्यक्रम की संसाधन व्यक्ति मनोविज्ञान विभाग की डॉ. अनुपमा सिहाग ने लैंगिक समानता, भावनात्मक संतुलन तथा सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विषय से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यशाला संवादात्मक एवं ज्ञानवर्धक रही, जिसने विद्यार्थियों को समावेशी दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया।

अपने संबोधन में महिला प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. नेहा अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों को जागरूक, संवेदनशील एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करती हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि वर्तमान समय में मानसिक स्वास्थ्य एवं लैंगिक समानता जैसे विषयों पर खुलकर चर्चा करना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर डॉ. रवनीत, डॉ. नीना एवं डॉ. सरोज भी उपस्थित रहीं।